All PDF Collection
PDFSeva

फ़ातिहा का तरीका

फ़ातिहा का तरीका

(मुकम्मल, आसान और प्रमाणिक मार्गदर्शिका)

भूमिका

इस्लाम में फ़ातिहा का मतलब है अल्लाह की बारगाह में दुआ और सवाब पेश करना। यह दुआ ज़िंदा लोगों के लिए भी होती है और मरहूम मोमिनीन व मोमिनात के लिए भी। इस ईबुक में फ़ातिहा करने का तरीका **आसान भाषा**, **सही क्रम** और **पूरा मजमून** के साथ बताया गया है, ताकि हर मुसलमान इसे सही तरीके से पढ़ सके।

---

1 : फ़ातिहा क्या है?

फ़ातिहा का शाब्दिक अर्थ है "शुरुआत"। आम तौर पर जब हम किसी मरहूम के लिए कुरआन की तिलावत करके दुआ करते हैं और उसका सवाब अल्लाह की राह में पेश करते हैं उसे फ़ातिहा कहा जाता है।

फ़ातिहा:

- दुआ है, रस्म नहीं
- सवाब पहुँचाने का ज़रिया है
- अल्लाह की रज़ा के लिए होती है

---

2 : फ़ातिहा से पहले की तैयारी

फ़ातिहा शुरू करने से पहले कुछ बातों का ध्यान रखना ज़रूरी है:

- शीरनी, तबर्रुक, फल या पानी साफ़ और खुला अपने सामने रखें
- घर में हों तो क़िब्ला (काबा शरीफ़) की तरफ़ रुख करें
- मजार या क़ब्रिस्तान में हों तो अदब से बैठें या खड़े रहें
- दिल में नीयत करें कि इसका सवाब अल्लाह की राह में पेश कर रहे हैं

---

3 : फ़ातिहा पढ़ने का मुकम्मल तरीका

नीचे फ़ातिहा पढ़ने का **पूरा, क्रमबद्ध और विस्तृत** तरीका दिया गया है। अगर किसी को पूरा पढ़ना मुश्किल हो, तो वह अपनी सहूलियत के अनुसार कम तिलावत भी कर सकता है।

1□ दुरूद शरीफ़ – 3 मर्तबा

अरबी:
اللّٰهُمَّ صَلِّ عَلٰى سَيِّدِنَا مُحَمَّدٍ وَّعَلٰى اٰلِ سَيِّدِنَا مُحَمَّدٍ كَمَا صَلَّيْتَ عَلٰى سَيِّدِنَا إِبْرَاهِيمَ وَعَلٰى اٰلِ سَيِّدِنَا إِبْرَاهِيمَ، إِنَّكَ حَمِيدٌ مَّجِيدٌ۔
اللّٰهُمَّ بَارِكْ عَلٰى سَيِّدِنَا مُحَمَّدٍ وَّعَلٰى اٰلِ سَيِّدِنَا مُحَمَّدٍ كَمَا بَارَكْتَ عَلٰى سَيِّدِنَا إِبْرَاهِيمَ وَعَلٰى اٰلِ سَيِّدِنَا إِبْرَاهِيمَ، إِنَّكَ حَمِيدٌ مَّجِيدٌ۔

हिंदी तर्जुमा (भावार्थ):
ऐ अल्लाह! हमारे नबी हज़रत मुहम्मद ﷺ और उनकी आल पर रहमत नाज़िल फ़रमा...

2□ सूरह काफ़िरून – 1 मर्तबा

अरबी:
بِسْمِ اللهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِيمِ
قُلْ يَا أَيُّهَا الْكَافِرُونَ ... لَكُمْ دِينُكُمْ وَلِيَ دِينِ

3□ सूरह इख़लास – 3 मर्तबा

अरबी:
قُلْ هُوَ اللهُ أَحَدٌ، اللهُ الصَّمَدُ، لَمْ يَلِدْ وَلَمْ يُولَدْ، وَلَمْ يَكُن لَّهُ كُفُوًا أَحَدٌ

4□ सूरह फ़लक – 1 मर्तबा

अरबी:
قُلْ أَعُوذُ بِرَبِّ الْفَلَقِ ... وَمِن شَرِّ حَاسِدٍ إِذَا حَسَدَ

5□ सूरह नास – 1 मर्तबा

अरबी:
قُلْ أَعُوذُ بِرَبِّ النَّاسِ ... مِنَ الْجِنَّةِ وَالنَّاسِ

6□ सूरह अल-फ़ातिहा – 1 मर्तबा

अरबी:
الْحَمْدُ لِلهِ رَبِّ الْعَالَمِينَ ... وَلَا الضَّالِّينَ ۝ آمِينَ

7□ सूरह बक़रह (आयत 1 से 5) – 1 मर्तबा

अरबी (संक्षेप):
الم ۝ ذَٰلِكَ الْكِتَابُ لَا رَيْبَ فِيهِ ... أُولَٰئِكَ هُمُ الْمُفْلِحُونَ

8□ आयाते ख़म्सा – 1 मर्तबा

1. وَإِلَٰهُكُمْ إِلَٰهٌ وَاحِدٌ
2. إِنَّ رَحْمَتَ اللهِ قَرِيبٌ مِّنَ الْمُحْسِنِينَ
3. وَمَا أَرْسَلْنَاكَ إِلَّا رَحْمَةً لِّلْعَالَمِينَ

Visit Website : https://www.PDFSeva.Net

4. مَّا كَانَ مُحَمَّدٌ أَبَا أَحَدٍ مِّن رِّجَالِكُمْ
5. إِنَّ اللهَ وَمَلَائِكَتَهُ يُصَلُّونَ عَلَى النَّبِيِّ

---

9 दुरूद शरीफ़ – 3 मर्तबा

ख़त्म की आयतें

أَعُوذُ بِاللهِ مِنَ الشَّيْطَانِ الرَّجِيمِ
بِسْمِ اللهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِيمِ
أَلَا إِنَّ أَوْلِيَاءَ اللهِ لَا خَوْفٌ عَلَيْهِمْ وَلَا هُمْ يَحْزَنُونَ
سُبْحَانَ رَبِّكَ رَبِّ الْعِزَّةِ عَمَّا يَصِفُونَ وَسَلَامٌ عَلَى الْمُرْسَلِينَ وَالْحَمْدُ لِلّٰهِ رَبِّ الْعَالَمِينَ

इसके बाद 1 बार दुरूद शरीफ़ पढ़कर **"अल-फ़ातिहा"** कहें।

---

4 : फ़ातिहा की दुआ (बख़्शिश)

ऐ अल्लाह! मैंने तेरी बारगाह में कुरआन पाक की तिलावत की और दुरूद शरीफ़ पढ़ा। इसमें जो भी ग़लती हुई हो, अपने फ़ज़्ल से माफ़ फ़रमा।

इस तबर्रुक का सवाब हुज़ूर नबी करीम ﷺ, तमाम अंबिया, सहाबा, अहले बैत, औलिया और तमाम मोमिनीन व मोमिनात की रूहों को पहुँचा।

बिल-ख़ुसूस (यहाँ नाम लें) की मग़फ़िरत फ़रमा और जन्नतुल फ़िरदौस में आला मक़ाम अता फ़रमा।

आमीन सुम्मा आमीन।

---

5 : फ़ातिहा से जुड़ी ज़रूरी बातें

- फ़ातिहा किसी खास दिन की मोहताज नहीं

- सादगी और ख़ुलूस सबसे ज़रूरी है
- खाने पर फ़ातिहा करना वाजिब नहीं
- कम तिलावत भी क़ुबूल होती है अगर नीयत सच्ची हो

---

6 : अक्सर पूछे जाने वाले सवाल (FAQ)

प्रश्न: क्या औरतें फ़ातिहा कर सकती हैं?
उत्तर: हाँ, बिल्कुल कर सकती हैं।

प्रश्न: क्या घर में फ़ातिहा सही है?
उत्तर: जी हाँ, घर में भी पूरी तरह जायज़ है।

प्रश्न: क्या सिर्फ़ सूरह फ़ातिहा पढ़ना काफी है?
उत्तर: हाँ, अगर पूरी तिलावत न कर सकें तो सिर्फ़ सूरह फ़ातिहा और दुआ भी काफी है।

समापन

यह ईबुक फ़ातिहा के मुकम्मल और आसान तरीके को समझाने के लिए तैयार की गई है। अगर यह इल्म आपको फ़ायदे का लगे, तो इसे दूसरों तक ज़रूर पहुँचाएँ ताकि ज़्यादा से ज़्यादा लोग सही तरीके से फ़ातिहा पढ़ सकें।

अल्लाह हम सबकी दुआएँ क़ुबूल फ़रमाए। आमीन।

****

Visit Website : https://www.PDFSeva.Net